साप्ताहिक

गरुड़ एक्सप्रेस

MPHIN/36137-T.C.

संपादक : राजेश लक्षकार

● वर्ष - 01 ● अंक - 21 | नीमच | बुधवार, 22 मार्च 2023 | ● पृष्ठ - 8 ● वार्षिक मूल्य - 250 रुपए

हवाई पट्टी नहीं... अब पायलट ट्रेनिंग सेंटर से बनेगी पहचान...

नीमच की अधूरी उड़ान...

साल के अंत मे विधानसभा चुनाव है और चुनाव से पहले अलग अलग जिलों और विधानसभा क्षेत्र में सरकार द्वारा दी गई सौगातों को भुनाने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अलग अलग जिलों में कार्यक्रम आयोजित कर रहे है। इसी तारतम्य में प्रदेश के मुखिया ने लगभग दो माह पूर्व नीमच का दौरा प्रस्तावित किया था जिसके तहत उनका 27 जनवरी को नीमच आने का दौरा कार्यक्रम तय हुआ था। लेकिन अचानक तीन दिन पूर्व ही वो दौरा कार्यक्रम स्थगित हो गया था।

भानु प्रिया बैरागी · गरुड़ एक्सप्रेस डेस्क

मुख्यमंत्री के उस समय के दौरे में नीमच में नई कृषि उपज मंडी, मेडिकल कॉलेज, पायलेट ट्रेनिंग सेंटर आदि कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन करने वाले थे। अब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार 24 मार्च को नीमच आ रहे है जिसमे मेडिकल कॉलेज का भूमि पूजन होगा और नई कृषि उपज मंडी का लोकार्पण होगा। लेकिन इस विकास की श्रृंखला में नीमच का पायलेट ट्रेनिंग सेंटर अधूरे काम काज के कारण लोकार्पण के क्रम में अटक गया है।वहीं दूसरी ओर लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी नीमच शहर को हवाई यात्रा सेवा का लाभ नहीं मिल पायेगा। कहने को यहा पायलट ट्रेनिंग सेंटर खोला जा रहा है, लेकिन इससे यहां की हवाई व्यापारिक एवं यात्रा सुविधाओं पर ग्रहण लग गया है।

नीमच की हवाई पट्टी पर हेलीकॉप्टर से पायलट ट्रेनिंग शुरू करने की योजना सरकार द्वारा बनाई गई है। इसके लिए प्रदेश सरकार ने निजी कंपनी को 25 साल के लिए हवाई पट्टी लीज पर दे दी। नीमच में चाइम्स एविशन एकेडमी द्वारा करीब 30 करोड़ की लागत से ट्रेनिंग सेंटर तैयार किया जा रहा है। इस ट्रेनिंग सेंटर पर 12 हेलिकॉप्टर लाए जाएंगे। जिससे युवाओं को पायलट ट्रेनिंग दी जाएगी। करीब सौ साल पुरानी हवाई पट्टी पर हवाई यातायात सेवा शुरू न होने के बजाय अब इस हवाई पट्टी को पायलट ट्रेनिंग सेंटर में परिवर्तित कर दिया गया है। जबकि जल्द ही मन्दसौर हवाई पट्टी से क्षेत्र की जनता को एयर टेक्सी की सौगात मिलने जा रही है। जिससे मन्दसौर की कनेक्टिविटी इंदौर और उदयपुर से हो जाएगी। हालाँकि लंबे समय से इस तरह की सुविधा नीमच में शुरू होने की बाते की जा रही थी। लेकिन नीमच से हवाई सेवाओं की बाते सिर्फ हवा में लटक कर रह गई। पिछले पांच साल में मन्दसौर विधायक यशपालसिंह सिसोदिया और सांसद सुधीर गुप्ता के प्रयासों से मन्दसौर में दो किमी लम्बी हवाई पट्टी का निर्माण हुआ।

यहीं नहीं यह हवाई पट्टी उदयपुर से लेकर इंदौर के बीच की सबसे बड़ी हवाई पट्टी बताई जा रही है। जबकि नीमच की हवाई पट्टी कई दशकों पूर्व बनकर तैयार हो चुकी थी फिर भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों के ध्यान न देने के कारण इस पर हवाई जहाज की बजाय मोटरसाइकिल और कार दौड़ती देखी जा रही थी। नीमच हवाई पट्टी की इतनी खराब हालत है कि अभी फिलहाल कोई एयर टेक्सी से नीमच हवाई पट्टी पर उतरना चाहे तो वो भी संभव नहीं है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नीमच में पायलट ट्रेनिंग सेंटर को मंजूर किया था। पायलट ट्रेनिंग सेंटर बनाने का काम शुरू भी हो गया है। बताया जा रहा है कि एक निजी कंपनी को 25 साल के लिए रनवे लीज पर दे दिया गया है। रनवे पर अमेरिका से 12 हेलीकॉप्टर लाकर ट्रेनिंग सेंटर शुरू किया जाएगा।

जनवरी में लोकार्पण की थी तैयारी दो माह बाद भी अधूरा है ट्रेनिंग सेंटर

यूं तो दिसंबर माह तक पायलट ट्रेनिंग सेंटर शुरु हो जाना था लेकिन फिलहाल अगले दो महीने तक इसके शुरु होने की कोई गुजाइंश नही दिखाई दे रही है। 27 जनवरी को इस पायलट ट्रेनिंग सेन्टर का लोकार्पण मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के हाथों होना था लेकिन तब उनका दौरा स्थगित हो गया था। अब वापस मुख्यमंत्री का दौरा कार्यक्रम तो तैयार हो गया लेकिन पायलेट ट्रेनिंग सेंटर का इसमे कही भी जिक्र नहीं है। नीमच की हवाई पट्टी का स्वरुप बदला जा रहा है। इसके लिए भवन निर्माण काम जोरों से चल रहा है। जिसके लिए 631 लाख और हवाई पट्टी का रनवे बनाने के लिए 2 करोड़ 51 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। एविएशन फ्लाईंग कंपनी हवाई पट्टी क्षेत्र में कंपनी हवाई जहाज और हेलीकॉप्टर रखने का शेड, ट्रेनी पायलट के लिए छात्रावास और कार्यालय निर्माण कर रही है। यह काम पिछले 6 माह से जारी है। इस कार्य में अलग अलग कंपनियां करीब 1600 करोड़ रुपये खर्च कर काम करेंगी।

24 मार्च को नीमच आएंगे सीएम, कलेक्टर ने जिला अधिकारियों को सौंपे दायित्व

· गरुड़ एक्सप्रेस डेस्क

नीमच। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान का 24 मार्च को नीमच में कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री चौहान राज्य स्तरीय रोजगार मेले में बेरोजगार युवाओं को लाभ पत्र वितरित करेगें साथ ही नीमच में नवीन मेडिकल कॉलेज भवन का भूमिपूजन व शिलान्यास करेंगे, तथा नीमच में नवनिर्मित कृषि उपज मंडी का लोकार्पण भी करेंगे।

कलेक्टर मंयक अग्रवाल की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष नीमच में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक में जिला अधिकारियों को विभिन्न दायित्व सौंपे गए। बैठक में कलेक्टर ने सभी जिला अधिकारियों को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चिचत करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर अग्रवाल ने कार्यकम के लिए स्थल, सभास्थल चयन, हितग्राहियों को कार्यकम स्थल पर लाने,उन्हें सु-व्यवस्थित ढंग से बैठने की व्यवस्था, परिवहन, मंच व्यवस्थाएं, कार्यकम स्थल पर पेयजल एवं साफ-सफाई व्यवस्था सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाओं संबंधी दायित्व अधिकारियों को सौंपे, और सौंपे गये दायित्वों का समय-सीमा में निर्वहन करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में एडीएम सुश्री नेहा मीना,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसएस कनेश, जिला पंचायत सीईओ गुरुप्रसाद,जिला परिवहन अधिकारी रितु अग्रवाल व सभी एसडीएम, जनपद सीईओ व सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे।

शहर को स्वच्छ बनाने में सफल हो रहा स्वच्छता हेल्पलाईन नंबर

नपाध्यक्ष के मार्गदर्शन में मात्र 22 दिनों में हुआ 241 शिकायतों का निराकरण

• गरुड़ एक्सप्रेस डेस्क

नीमच। नगरपालिका परिषद्, नीमच की अध्यक्ष स्वाति गौरव चौपड़ा द्वारा नीमच शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए 25 फरवरी को स्वच्छता हेल्पलाईन नंबर जारी करते हुए मोबाईल मित्र योजना का शुभारंभ किया गया था, जिसमें नागरिकों को स्वच्छता संबंधी शिकायतों के लिए हेल्पलाईन नम्बर 7477017747 जारी करते हुए बताया गया था कि इस नंबर पर स्वच्छता संबंधी शिकायत मय फोटो के भेजने पर 48 घंटे में समस्या का निदान किया जावेगा। श्रीमती चौपड़ा के प्रयासों से उनकी यह योजना सफल होती नजर आ रही हैं, क्योंकि 25 फरवरी से 19 मार्च तक मात्र 22 दिनों में मोबाईल मित्र योजना के तहत जारी हेल्पलाईन नम्बर पर प्राप्त शिकायतों में से 195 शिकायतों का निराकरण नगरपालिका के स्वास्थ्य अमले द्वारा किया गया है।

स्वास्थ्य सभापति धर्मेश पुरोहित ने बताया कि स्वच्छ नीमच अभियान के अंतर्गत श्रीमती चौपड़ा द्वारा स्वच्छता हेल्पलाईन नम्बर (मोबाईल मित्र) का शुभारंभ करने के बाद चार अलग-अलग सफ़ाई कामगारों की टीम का गठन किया गया था। इस पहल से अब शहर के किसी भी क्षेत्र में गंदगी होने की शिकायत मिलने पर 48 घंटे के अंदर ही स्वच्छ नीमच और सुंदर नीमच के संकल्प को पूरा करने के लिए हेल्पलाईन नम्बर पर प्राप्त शिकायतों का निराकरण समयसीमा में कराया जा रहा है।

स्वास्थ्य सभापति धर्मेश पुरोहित ने बताया कि 22 दिनों में स्वच्छता हेल्पलाईन नम्बर (मोबाईल मित्र योजना) पर कुल 241 शिकायते प्राप्त हुई, जिसे गंभीरता से लेते हुए नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती चौपड़ा के मार्गदर्शन में स्वच्छता निरीक्षकों, स्वच्छता पर्यवेक्षकों व स्वच्छता मित्रों के निरंतर प्रयास से 195 निराकरण कर दिया गया है और शेष शिकायतें त्वरित निराकरण किये जाने की स्थिति में न होने से उनके निराकरण की भी कार्यवाही जारी है। स्वास्थ्य सभापति श्री पुरोहित ने शहर के नागरिकों से स्वच्छता संबंधी शिकायत वाले स्थान का फोटो मय वार्ड नंबर व स्थान के हेल्पलाईन नम्बर पर भेजकर समस्या का निराकरण कराने व स्वच्छता हेल्पलाईन नम्बर योजना को सफल बनाकर स्वच्छता सर्वेक्षण में नीमच शहर को प्रथम पायदान पर लाने में सहयोग करने का अनुरोध किया है।

डीजे की धुन पर थिरकते हुए निकले किन्नर मेहमानो का शहरवासियों ने किया स्वागत

• गरुड़ एक्सप्रेस डेस्क

नीमच। अखिल भारतीय मंगल मुखी 10 दिवसीय राष्ट्रीय स्तर किन्नर महा सम्मेलन के आयोजन नीमच में भव्य स्तर पर किया जा रहा है। आयोजन की शुरुआत जहां बुधवार को स्थानीय सुंदरम मैरिज गार्डन में समाज की कुलदेवी बोचर माता की स्थापना 9 दिवसीय अखण्ड ज्योत व खिचड़ी तुलाई से की गई। वही शुक्रवार को चाक पूजन के साथ शहर में भव्य चल समारोह निकाला गया था।

कार्यक्रम की श्रृंखला में मंगलवार को स्थानीय गायत्री मंदिर से पूजा अर्चना के बाद कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में सबसे आगे डीजे की धुन पर फिल्मी गानों पर देश प्रदेश से आए किन्नर मेहमान नृत्य करते चल रहे थे वही बेंड बाजों व ढोल की थाप पर भी किन्नर मेहमान थिरकते हुए चल रहे थे जिस मार्ग से भी कलश यात्रा होकर गुजरी उस मार्ग पर शहर की जनता किन्नर मेहमानों का फलक फावड़े बिछा कर उनका स्वागत कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त कर रहे थे।

कलश यात्रा गायत्री मंदिर से प्रारंभ होकर कमल चौक फवारा चौक बस स्टैंड होते हुए नीमच सिटी रोड स्थित सुंदरम मैरिज गार्डन सम्मेलन स्थल पर पहुंची जहां कलश उतराई की रस्म के साथ नीमच और समूचे देश की खुशहाली के लिए सामूहिक दुआएं मांगी गई। कलश यात्रा में 8 बग्गियों व लगभग 8 से 10 चार पहिया वाहनों में भारत भर से आये किन्नर मेहमान सवार थे।

इस माह कुम्भ की शुरुआत बुधवार को बोचर माता की स्थापना व नौ दिवसीय अखंड ज्योत एव खिचड़ी तुलाई से हुई थी। महाकुम्भ कार्यक्रम की श्रृंखला में मंगलवार को गायत्री मंदिर से पूजा अर्चना के बाद कलश यात्रा निकाली गई यह कलश यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई। सुंदरम मैरिज गार्डन पहुंची। जहां कलश यात्रा की समाप्ति के बाद कलश उतराई की रस्म अदायगी और नीमच व समूचे देश की खुशहाली के लिए सामूहिक दुआएं मांगी गई। कलश यात्रा के दौरान नीमच की जनता का अपार स्नेह प्राप्त हुआ है सभी को साधुवाद और हमारा आशीर्वाद की नीमच में खूब खुशियां हो देश प्रदेश में शांति सुख समृद्धि बनी रहे। उक्त आयोजन में मुख्य रूप से अनीता दीदी मंदसौर, नीमच की गद्दी पर बैठे ज्योति बुआ, समाज सेवी हसीना भुवा दलौदा, चेला सुनीता दीदी नीमच, गौतमपुरा से आए बबीता बुआ, ब्यावर से किरण बुआ, पाली राजस्थान से रीटा बुआ, भोपाल से हाजी पूजा बुआ, भरतपुर से हाजी नीतू बुआ, जयपुर से हाजी बुआ, परबतसर से राजकुमारी बुआ, अशोक नगर से चांदनी बुआ, प्रतापगढ़ से जूली बुआ, बदनावर से प्रेरणा बुआ कपासन से निलोफर बुआ मुख्य रूप से मौजूद रहे।

नयागांव पुलिस ने नाबालिग सहित एक को पकड़ा, एक जिंदा और एक चला हुआ कारतूस भी जब्त

• गरुड़ एक्सप्रेस डेस्क

जावद। नयागांव पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 1 देसी पिस्टल, 1 जिंदा और 1 चला हुआ कारतूस जब्त किया है। इसके साथ ही पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर नाबालिग को हिरासत में लिया है। जिला पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा ने बताया कि जावद थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह ठाकुर को मिली मुखबिर सूचना पर सुमित मिश्रा की टीम ने कार्रवाई की।

सन राइज स्कूल के सामने नयागांव पर एक नाबालिग मुखबिर के बताए हुलिए का खड़ा दिखा। जिसे घेराबंदी कर हिरासत में लिया। उसकी तलाशी लेने पर जिंस पेंट में पीछे की तरफ एक देसी पिस्टल मिली। उसकी पेंट की बाएं जेब से एक चला हुआ कारतूस मिला। नाबालिग को पुलिस ने अभिरक्षा में लिया।

पिस्टल और कारतूस के संबंध में पूछताछ करते हुए बताया कि वह अनिल पिता रामसिंह जाट निवासी जाट मोहल्ला नयागांव से लाया था। जिसके बाद नयागांव चौकी प्रभारी सुमित मिश्रा ने आरोपी अनिल की तलाश करते उसे भी गिरफ्तार किया। आरोपी अनिल की पेंट के जेब से भी एक जिंदा कारतूस मिला, जिसे जब्त किया गया।

30 मार्च को होगी पूर्णाहुति

चैत्र नवरात्रि : गायत्री शक्तिपीठ पर शुरू हुआ पंच कुंडी यज्ञ

• गरुड़ एक्सप्रेस डेस्क

नीमच। चैत्र नवरात्रि हिंदू वर्ष के अवसर पर स्थानीय गायत्री शक्तिपीठ पर पंच कुंडी यज्ञ आरंभ किया गया। इसके साथ ही 9 दिन तक यहां विशेष जप और विविध संस्कार कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

उक्त संदर्भ में गायत्री शक्तिपीठ के पंडित भगवान दिन प्रजापति ने जानकारी देते हुए बताया कि गायत्री शक्तिपीठ पर दोनों नवरात्रि श्रद्धा पूर्वक मनाई जाती है आज विक्रम संवत 2080 हिंदू नव वर्ष का शुभारंभ हुआ है चैत्र की नवरात्रि होने के कारण यहां विशेष पूजा-अर्चना पाठ एवं हवन का आयोजन किया गया है।

आज बुधवार से यहां पंच कुंडी हवन का आयोजन किया गया है जो आगामी 9 दिवस तक चलेगा इसके साथ ही यहां साधक अपनी क्षमता अनुसार अनुष्ठान करते हैं चैत्र नवरात्रि के अवसर पर पंच कुंडी हवन यहां किया जा रहा है जो आगामी 30 मार्च तक चलेगा जिसकी पूर्णाहुति 30 मार्च को कन्या भोज के साथ की जाएगी।

9 दिन तक जाप भी यहां किए जाएंगे और इसी दौरान यहां विविध संस्कार भी निशुल्क किए जाएंगे।यह शक्तिपीठ जन जागरण का केंद्र है यहां नियमित जाप किए जाते हैं सभी पर्व बड़ी श्रद्धा के साथ मनाए जाते हैं।

हिंदू वर्ष में नवरात्रि का विशेष महत्व रहता है और हिंदू संस्कृति में यज्ञ को बहुत पवित्र और पुनीत माना गया है। इसको लेकर प्रतिदिन हवन में यहां साधक बड़ी संख्या में उपस्थित होते हैं और हवन यज्ञ का लाभ लेते हैं।

नोटबंदी के बाद शिव के राज में

फिर लगी बैंकों पर लंबी कतारें, लाडली बहना परेशान

· गरुड़ एक्सप्रेस डेस्क

रामपुरा। तहसील मुख्यालय रामपुरा पर सरकार की लाडली बहना योजना महिलाओं के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है। मध्यप्रदेश में 25 मार्च से लाडली बहना योजना के लिए फॉर्म भरे जाएंगे। योजना के तहत सरकार पात्र महिलाओं को हर महीने 1 हजार रुपए देगी। ये रकम सीधे हितग्राहियों के खाते में जमा कराई जाएगी।

इसलिए योजना का लाभ लेने के लिए महिलाएं इसमें लगने वाले जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपडेट करा रही हैं। इसके लिए केवाईसी अपडेट कराने के लिए एमपी ऑनलाइन की दुकानों के साथ ही बैंकों और कियोस्क सेंटर्स पर महिलाएं की लंबी लंबी कतारें लगी रही। रामपुरा में इसका जाजया लिया, तो पता चला कि सर्वर डाउन होने के चलने महिलाओं की केवायसी नहीं हो रही है। उन्हें निराश होकर ही लौटना पड़ रहा है। हालात ऐसे हो गए हैं कि महिलाएं दिनभर बैंक और आधार सेंटरों पर भूखी-प्यासी बैंठी हुई हैं। कई महिलाएं तो घर से ही खाना लाकर लाइनों में बैठ रही हैं। रामपुरा नगर के लाल बाग में एमपी ऑनलाइन सहित किओस्क सेंटर पर आम तौर पर इन दुकानों पर समग्र आईडी, आधार कार्ड, मूल निवासी सहित अन्य कामों के लिए लोग पहुंचते हैं। लेकिन, सोमवार को इन केंद्रों पर बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचीं।

लाड़ली बहना योजना के पात्र हितग्राही जल्द से जल्द ई-केवायसी करावें-श्रीमती पाटीदार

· गरुड़ एक्सप्रेस डेस्क

नीमच। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना अंतर्गत महिलाओं के समग्र ई-केवायसी करने के लिए कलेक्टर श्री मयंक अग्रवाल के निर्देशानुसार नगरपालिका, नीमच के कार्यालय में प्रतिदिन ई-केवायसी का कार्य किया जा रहा है। पात्र हितग्राही जल्द से जल्द ई-केवायसी कराये ताकि शासन की योजनाओं में आवेदन के दौरान परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

उक्त जानकारी देते हुए मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती गरिमा पाटीदार ने बताया कि नपाध्यक्ष श्रीमती स्वाती गौरव चौपड़ा के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की पात्र बहनों के समग्र ई-केवायसी संबंधित कार्य नगरपालिका कार्यालय में किया जा रहा है। इस हेतु पात्र हितग्राही समग्र आईडी, आधारकार्ड व आधार से लिंक मोबाईल के साथ नगरपालिका कार्यालय में उपस्थित होकर ई-केवायसी करावें। श्रीमती पाटीदार ने कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए ई-केवायसी होना अनिवार्य है। हितग्राही स्वयं के मोबाईल से भी ई-केवायसी कर सकते हैं।अतः पात्र हितग्राही ई-केवायसी अवश्य कराकर शासन की योजनाओं का लाभ उठावें।

आवरी माता जी के नौ दिवसीय विशाल 17वां मेले का पैदल चुनरी यात्रा के साथ होगा आगाज

· गरुड़ एक्सप्रेस डेस्क

चीताखेडा। भारतीय संस्कृति में आराधना एवं साधना के लिए पर्व को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। नवरात्रि में भक्ति के द्वार खुल जाते हैं और आराधना, साधना,जप,तप,मंत्र,यज्ञ,हवन, उपवास,त्याग और सहयोग भावना के साथ शक्ति की आराधना देवी उपासना की जाती है। नवरात्र हिंदूओं का विशेष और सबसे पवित्र पर्व है, नवरात्र का धार्मिक, आध्यात्मिक, लौकिक और शारीरिक दृष्टि से बड़ा महत्व है।चीताखेडा से मात्र दो किलो मीटर दूरी पर स्थित आंवरीमाताजी का धाम माताजी का खेड़ा की पावन धरा पर अतिप्राचीन आरोग्य देवी महामाया आंवरीमाताजी के अलौकिक दरबार में हर साल की तरह चैत्र सुदी नवरात्रि पावन पर्व के अवसर पर मेला समिति द्वारा नौ दिवसीय विशाल मेला आयोजित करवाते आ रहें हैं। इस बार आज बुधवार से अगले गुरुवार तक 17वां मेला महोत्सव आयोजित होने जा रहा है। दिनांक 22मार्च 2023 बुधवार को 151फिट लंबी चुनरी यात्रा बैंड बाजा और डीजे के साथ प्रातः8:30 बजे निकाली जाएगी। मां जगदम्बा के दरबार में अभिजीत मुहूर्त में घटस्थापना के साथ मेले का शुभारंभ किया जाएगा।

उपरोक्त जानकारी मेला समिती अध्यक्ष दशरथ माली ने प्रेस विज्ञप्ति में देते हुए बताया है कि कल मेले के प्रथम दिन चैत्र सुदी एकम बुधवार दिनांक 22 मार्च 2023 को प्रातः साढ़े आठ बजे चीताखेडा के बजरंग मंदिर से बैण्ड बाजों और डीजे के साथ 151 फिट लंबी चुनरी यात्रा प्रारंभ होगी। साथ ही मां जगदम्बा आरोग्य देवी महामाया आंवरीमाताजी की प्रतिमा विशेष आकर्षक रथ में सवार होकर बड़े ही धूमधाम से गांव की प्रजा का हाल जानने निकलेगी। बजरंग मंदिर से बड़ा गणपति चौक,शैख मौहल्ला, माणक चौक, नीम चौक, सदर बाजार, चेनपुरा चौराहा,बस स्टैंड, नई आबादी मार्ग से होकर माताजी का खेड़ा पहुंचेगी। जहां पर अभिजीत मुहूर्त में विधि विधान के साथ पूजा अर्चना के साथ घट स्थापना होगी और नौ दिवसीय चलने वाली नवरात्रि की घट स्थापना साढ़े ग्यारह बजे होंगी। इस मौके पर नो दिनों तक वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अखण्ड जाप, हवन,पाठ-पुजा पण्डित शिवशंकर शर्मा और रामलाल शर्मा द्वारा किया जाएगा। नवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर मैला समिति द्वारा मां जगदम्बा के दरबार विद्युत डेकोरेशन से जगमगाया गया है। मेला परिसर में दुकानदार भी दुकानें बड़ी संख्या में लेकर आए हैं अब मेला परिसर भी छोटा पड़ने लगा है। मेला समिति किधर प्लाट (मार्केट) बनाएं पसीना छूट रहा है। समिति ने समस्त धर्म प्रेमियों से आग्रह किया है कि मेले में अधिक से अधिक संख्या में पधारे।

संविधान रक्षा की शपथ लेकर

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जीरन ने मनाया लोकतंत्र सम्मान दिवस

· गरुड़ एक्सप्रेस डेस्क

जीरन। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश व जिला कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जीरन द्वारा 20 मार्च को लोकतंत्र सम्मान दिवस के रूप में मनाया गया इस अवसर पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर कांग्रेसजनों द्वारा माल्यार्पण करते हुए संविधान रक्षा की शपथ ली।

इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जीरन के अध्यक्ष विनोद दक ने कहा कि आज के दिन 20 मार्च 2020 को भारतीय जनता पार्टी ने मध्यप्रदेश में कांग्रेस पार्टी के विधायकों की खरीद-फरोख्त करते हुए कमलनाथ जी के नेतृत्व वाली सरकार को गिरा कर खुद की सरकार बना ली जो लोकतंत्र के लिए काला दिन था मुख्यमंत्री कमलनाथ के नेतृत्व में जनहित के कार्य करते हुए निरंतर प्रदेश प्रगति की ओर बढ़ रहा था यह भाजपा को यह रास नहीं आ रहा था और धनबल के बलबूते कांग्रेस की सरकार गिरा कर लोकतंत्र की हत्या की आज लोकतंत्र सम्मान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष रामकरण सगवारिया पूर्व अध्यक्ष प्रतिनिधि चांदमल राजौरा युवक कांग्रेस अध्यक्ष घनश्याम गायरी पार्षद यशवंत सगवारिया पुष्पेंद्र सिंह पंचायत राज जिला उपाध्यक्ष राकेश मेंरावत युवक कांग्रेस जिला महासचिव देवी लाल गायरी पूर्व पार्षद रमेश पवार विनोद अहिरवार कमलेश अहिरवार श्यामसुंदर मेरावत मुबारिक मंसूरी राजू दायमा चिताखेड़ा दशरथ दुदावत बहादुर बैग शरीफ मंसूरी भागीरथ अहिरवार ईश्वर लाल बाबूलाल सहित कई कांग्रेसजन व आमजन उपस्थित थे।

देशभर के पर्यटक

एक साथ देख सकेंगे बाघ, चीता और चीतल

कूनो अभ्यारण्य में चीतों के बड़े बाड़े में छोड़े जाने के बाद इस प्रोजेक्ट के सफलता पूर्ण ढंग से निपटने के साथ ही वन विभाग अब अपने ड्रीम प्रोजेक्ट की तैयारी में जुट गई है। यह है रणथंभौर, कूनो और शिवपुरी के बीच एक अनूठा कॉरिडोर बनाने का, ताकि यहां एक बार फिर जानवर एक साथ रह और घूम सकें। इसके लिए अब शिवपुरी के माधव नेशनल पार्क में बाघ लाकर बसाने की कवायद चालू हो गई है। यह कॉरिडोर बनते ही यह इलाका वन्य पर्यटकों के भी आकर्षण का सबसे बड़ा केंद्र बन जाएगा।

रणथंभौर से शिवपुरी तक बनेगा कॉरिडोर

· भोपाल

कूनो नेशनल पार्क को हालांकि एशियाटिक लॉयन को लाकर बसाने के लिए ही तैयार किया गया था। इसकी वजह यही है कि यह जगह रणथंबौर और माधव नेशनल पार्क शिवपुरी के बीच में स्थित था, लेकिन कानूनी और राजनीतिक झमेलों के कारण यहां गुजरात के गिर से लाकर लॉयन तो नहीं बसाए जा सके। लेकिन सितंबर में नामीबिया से लाकर चीते जरूर बसा दिए। सत्तर साल पहले विलुप्त हो गए चीते एक बार फिर भारत के कूनो के जंगलों में कुलांचे भरने लगे। जब हेबिटेट उनके अनुरूप हो गया तो सरकार और वन विभाग अब एक बार फिर कूनो से लेकर शिवपुरी तक बाघ कॉरिडोर बनाने कब प्रोजेक्ट में जुट गया है।

रणथंभौर से शिवपुरी तक होगा टाइगर के लिए बफर जोन...

रणथंभौर से निकलकर अनेक टाइगर एमपी की सीमा में आते जाते रहते हैं, लेकिन यहां ज्यादा समय नहीं रुकते। इसीलिए अब उनके लिए एक आसान और सुरक्षित कॉरिडोर बनाया जाना है। इसके लिए शिवपुरी के माधव नेशनल पार्क का विस्तार करने की योजना है। प्रस्ताव के अनुसार टायगर बफर जोन बनाने के किये इसके दायरे में 13 गांव और लाये जा रहे हैं। इसके साथ ही माधव नेशनल पार्क का विस्तार 600 वर्ग किलोमीटर हो जाएगा और अपवाद को छोड़कर इसकी सीमा कूनो नेशनल पार्क को स्पर्श करने लगेगी। यानी रणथंभौर से लेकर शिवपुर तक एक सुरक्षित कॉरिडोर बन जायेगा, जिसमें वहां से निकलकर बाघ स्वछंद विचरण कर सकेंगे।

सबके पहले मादा बाघ लाने की तैयारी...

माधव नेशनल पार्क में तैयारी है कि जनवरी में तीन बाघ लाकर यहां बसाए जाएं। इसको लेकर उनके लिए वांछित हेबिटेट तैयार करने का प्रयास और परीक्षण चल रहा है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों का कहना है कि उनकी कोशिश है कि 15 जनवरी से पहले यहां तीन बाघ लाकर बसा दिए जाएं। ये तीनो बाघ रणथंभौर से ही लाये जाएंगे और कोशिश हो कि यह मादा ही हों। मादा बाघ लाने का निर्णय भी वन्य विशेषज्ञों के लंबे शोध के बाद हुआ है।

विशेषज्ञों ने रणथंभौर से श्योपुर, मुरैना और शिवपुरी के जंगल तक आने जाने वाले बाघों की आवाजाही पर लंबी निगरानी की तो यह तथ्य प्रकाश में आया कि वहां से निकलकर सिर्फ नर बाघ ही इन क्षेत्र में आते है। लेकिन वे यहां रुकना पसंद नहीं करते, बल्कि जल्दी ही वापस रणथंबौर लौट जाते हैं। इसकी बजह तलांशने पर चौंकाने वाली बात सामने आई। उनकी वापसी इसलिए जल्दी हो जाती है, क्योंकि इस क्षेत्र में मादा बाघ उन्हें नहीं मिलते, जिनसे वे जरुरी नीड पूरी कर सकें। जैसे ही उनकी नींद बढ़ती है वे तत्काल रणथंभौर की तरफ लौट जाते हैं। इसलिए वन्य विशेषज्ञों ने यहां सबसे पहले तीन मादा बाघ बसाने का ही फैसला किया है।

साल 1991 में थे यहां दस बाघ...

माधव नेशनल पार्क नब्बे के दशक में बाघों की रिहायश का एक सबके बड़ा अड्डा था। तब यहां दस बाघ थे। लेकिन देखरेख और सुरक्षा के अभाव में इनकी संख्या कम होती चली गई। अंतिम बार यहां बाघ साल 1996 में देखा गया था। इसी साल यहां की टाइगर सफारी यह कहते हुए बंद कर दी गई थी कि यह स्थान अब टाइगर के लिए उपयुक्त नहीं है। इस सफारी की अंतिम बाघ जोड़ी साल 1996 में थी, जिनको तारा और पेटू के नाम से जाना जाता था। इसके बाद फिर इसे टाइगर सफारी बनाने का फैसला हुआ।

वन्य विशेषज्ञों का मत यहां बस सकते हैं 26 टाइगर...

इससे पहले देश के प्रमुख वन्य विशेषज्ञों ने इस क्षेत्र के भूगोल और पारिस्थितिकी पर गहन शोध किया। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में कहा कि इस क्षेत्र में 26 टाइगर को बसाया जा सकता है, जो यहां आराम से स्वतंत्रता पूर्वक जीवन यापन कर सकते हैं। इसके बाद इस लॉयन सफारी को फिर से शुरु करने का फैसला हुआ। अब इसमें तीन टाइगर लाने की तैयारी है।

टाइगर स्टेट में ही सबसे ज्यादा बाघों की मौत...

...अब तक कितनों का हुआ शिकार

मध्य प्रदेश की पहचान टाइगर स्टेट के रुप में है क्योंकि यहां बड़ी संख्या में बाघ पाए जाते हैं लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी की बाघों की मौत के मामले में भी नंबर वन है.

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीते 11 माह में एमपी में 33 बाघों की मौत हुई है. इनमें से 6 बाघों का शिकार किया गया है.

बाघों की मौतों के आंकड़ों को देखें तो पता चलता है कि बीते 4 सालों में प्रदेश में 134 बाघों की मौत हुई है. इनमें से 35 बाघों का शिकार किया गया. वहीं सड़क दुर्घटना, कुएं में गिरने और आपसी लड़ाई में 80 बाघ मारे गए हैं. कर्नाटक और उत्तराखंड बाघों की संख्या के मामले में देश में दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं लेकिन इन दोनों राज्यों में इस साल कुल 6 बाघों की ही मौत हुई है.

बाघों की बढ़ती संख्या के चलते बाघ अपने संरक्षित क्षेत्र से बाहर निकल रहे हैं. इस वजह से भी बाघों की सुरक्षा के लिए चुनौती बढ़ रही है. एनटीसीए की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 10 सालों में एमपी में 270 टाइगरों की मौत हो चुकी है. इनमें से सबसे ज्यादा 66 टाइगरों की मौत बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हुई है.

पन्ना टाइगर रिजर्व में भी मिला है बाघ का शव

हाल ही में पन्ना टाइगर रिजर्व में भी एक बाघ का शव मिला है. बाघ फांसी के फंदे पर एक पेड़ से लटका हुआ मिला है. माना जा रहा है कि बाघ का शिकार किया गया है. घटना के बाद वन विभाग में हड़कंप मच गया है. सीएम ने भी इस मुद्दे पर मीटिंग बुलाई थी.

इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है.साथ ही वन विभाग के दो कर्मचारियों को भी लापरवाही के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया है. दोनों आरोपियों को दो हफ्ते की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. बता दें कि मध्य प्रदेश में 6 टाइगर रिजर्व हैं, जिनमें कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, सतपुड़ा, पन्ना और संजय डुबरी नेशनल पार्क शामिल हैं. राज्य में बाघों की संख्या साल 2018 की गणना के अनुसार, 526 है.

बहुचर्चित लीना शर्मा हत्याकांड में 3 को आजीवन कारावास

मामा ने हत्या कर दफना दिया था शव

• गरुड़ एक्सप्रेस डेस्क

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश के बहुचर्चित लीना शर्मा हत्याकांड में कोर्ट ने सगे मामा समेत 3 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दिल्ली में अमेरिकी दूतावास में सहायक प्रबंधक के पद पर कार्य कर चुकीं लीना शर्मा हत्याकांड में नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर की कोर्ट ने मंगलवार को फैसला सुनाया।

साल 2016 में नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र के डूडादेह गांव में लीना शर्मा की हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड को उनके मामा और तत्कालीन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने अपने दो नौकरों के साथ मिलकर अंजाम दिया था। अभियोजन की ओर से 64 साक्ष्यों का परीक्षण कराया गया। आरोपी जमानत पर थे। मंगलवार को फैसला आने के बाद प्रदीप शर्मा, गोरेलाल और राजेंद्र को उपजेल पिपरिया भेजा गया।

अमेरिकी दूतावास की पूर्व कर्मचारी थी लीना

जमीन पर अतिक्रमण को लेकर हुआ था विवाद

सोहागपुर के राजेंद्र वार्ड की रहने वाली लीना शर्मा रिश्ते में प्रदीप शर्मा की भांजी लगती थी, डूडादेह गांव में उसकी पैतृक कृषि भूमि थी। लीना शर्मा ने अप्रैल 2016 में इसका सीमांकन कराया था। जिसमें 10 एकड़ 41 डेसिमल भूमि प्रदीप शर्मा (लीना के मामा) के कब्जे में पाई गई थी। उसने अपनी भूमि को तार फेंसिंग कराने के लिए प्रताप कुशवाहा से बात की थी। 29 अप्रैल 2016 को सुबह करीब 10 बजे लीना शर्मा, प्रताप कुशवाहा, उसके कर्मचारी गंगाराम और तुलाराम के साथ मौके पर गई थी।

सीमांकन के अनुसार लीना शर्मा, अपनी भूमि की तार फेंसिंग करा रही थी, तभी प्रदीप शर्मा और उसके कर्मचारी राजेन्द्र व गोरे लाल भी वहां पहुंचे। मामा प्रदीप शर्मा ने लीना को तार फेंसिग कराने से मना कर दिया था, इसी बात को लेकर विवाद हुआ था। मारपीट भी हुई थी। प्रताप कुशवाहा ने इसकी जानकारी पड़ोसी डेनियल को दी थी। विवाद के बाद लीना शर्मा लापता हो गई थी।

लीना शर्मा के सगे मामा प्रदीप शर्मा समेत तीन दोषियों को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। लीना शर्मा के सगे मामा प्रदीप शर्मा समेत तीन दोषियों को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

मामा ने दर्ज कराई थी रिपोर्ट

मामा प्रदीप शर्मा ने ही 5 मई 2016 को थाना सोहागपुर में लीना शर्मा के गुम होने की सूचना दर्ज कराई थी। जांच के दौरान उसकी कॉल डिटेल निकाली गई। आखिरी बार बात प्रताप कुशवाह और ऑटो ड्राइवर से हुई थी। पुलिस ने दोनों से पूछताछ की तो उन्होंने लीना से प्रदीप शर्मा व उसके साथियों के विवाद के बारे में बताया। पुलिस ने प्रदीप शर्मा को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने लीना शर्मा की हत्या कर उसके शव को कामती-रंगपुर के जंगल के बरसाती नाले में गढ़ाने की जानकारी दी गई।

इसके बाद पुलिस ने शव निकलवाया। शव नग्न अवस्था और सड़ी अवस्था में था। शव के पास से कपड़े और अन्य सामान मिला था। मतृक के शव का डीएनए परिक्षण उसकी बहन हेमा शर्मा के ब्लड सेंपल से कराया गया था।

नमक-यूरिया का इस्तेमाल कर जंगल में दफनाया

हत्या करने के बाद तीनों आरोपियों ने सबूत मिटाने के लिए लीना के शरीर से कपड़े उतारकर खेत में जला दिए और शव को जंगल में दफना दिया था। शव को गलाने के लिए नमक और यूरिया डालकर रेत और पत्थर से दबा दिया था। शव के साथ लीना के ब्रेसलेट, घड़ी और दोनों जूते मिले हैं। शव बुरी तरह गल चुका था।

अब एमपी बोर्ड 12वीं का गणित का पेपर लीक

अफसर बोले- 8:47 बजे लीक; हकीकत में इस समय तक 64000 लोगों तक पहुंच चुका था

• गरुड़ एक्सप्रेस डेस्क

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपी बोर्ड) का एक और पेपर मंगलवार को लीक हुआ। इस बार बारी 12वीं गणित के पेपर की थी। सरकार के सिपहसालारों ने फिर आनन-फानन में बयान जारी किया कि पेपर लीक तो सुबह 8:47 बजे हुआ। दैनिक भास्कर ने जब एक्सपर्ट के जरिए इसकी जांच करवाई तो पता चला कि 8:47 बजे तक तो सिर्फ एक टेलीग्राम चैनल के जरिए ही ये पेपर 64 हजार लोगों तक पहुंच चुका था।

इसके अलावा 10-10 हजार से अधिक मेंबर्स के कई ग्रुप और चैनल में भी पेपर डाला जा चुका था। बाद में अफसरों ने बताया कि मंगलवार को लीक हुआ 12वीं का पर्चा उमरिया जिले के कोइलारी स्थित सेंट जेवियर स्कूल का होना पाया गया।

कलेक्टर केडी त्रिपाठी सेंटर पर पहुंचे, जहां केन्द्र अध्यक्ष के मोबाइल से सुबह 8:47 बजे पेपर का फोटो क्लिक करके वायरल किया जाना पाया गया। केंद्र अध्यक्ष, सहायक केंद्रअध्यक्ष सहित 5 को हिरासत में लिया गया।

अब तक 15 दिन हुई परीक्षाओं में कुल 12 पेपर लीक हो चुकी है। इस पूरे मामले में कुल 35 शिक्षक-स्टाफ सहित पेपर बेचने के आरोप में 3 अन्य की गिरफ्तारी हो चुकी है। उधर, प्रतापगढ़ केंद्र से गिरफ्तार केंद्राध्यक्ष रमाशंकर अहिरवार, सहायक केंद्राध्यक्ष निर्भय सिंह भवेदी और भृत्य केशव सिंह को पुलिस ने जेल भेज दिया है।

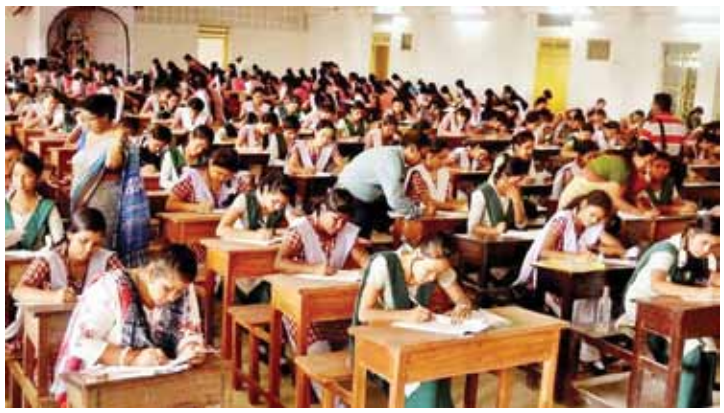

बड़ा सवाल : केंद्र अध्यक्ष के क्लिक से पहले उसी केंद्र के पेपर भी टेलीग्राम पर कैसे?

अफसरों के दावों की हकीकत... अगर पेपर सुबह 8:47 बजे केन्द्राध्यक्ष के मोबाइल से क्लिक किया गया था तो उसी सेंटर का पेपर भी टेलीग्राम चैनल पर सुबह 8:41 बजे से कैसे मौजूद था? इधर बोर्ड के अफसर अब कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। सेंटर्स से जब केन्द्र अध्यक्ष टेलीग्राम पर पर्चा डाल ही नहीं रहे हैं तो यह सोशल मीडिया पर कैसे आ रहा है?

चैनल पर पेपर आते ही कुछ देर में डिलीट भी कर देते हैं... लीक हो रहे बोर्ड परीक्षा के पेपर की बिक्री अब सट्टा खिलाने वाले टेलीग्राम ग्रुप पर शुरु हो गई है। मंगलवार को हुआ 12वीं गणित का पेपर सोमवार रात से ही सेशन किंग सहित सट्टा खिलाने वाले कई अन्य चैनल पर बुक होने लगा था। जहां 200 रु. में पेपर देने का दावा किया गया।

सुबह इन्हीं चैनल पर पेपर आते ही कुछ ही मिनट में पेपर डिलीट भी कर दिया गया। जो कि अन्य ग्रुप पर तेजी से वायरल हुआ। पेपर लीक से पहले चैनल का नाम बदलकर MP Board 10th or 12th Paper किया गया था, जिसके बाद नाम दोबारा सेशन किंग कर दिया।

एमपी बोर्ड : तीन विषय के पेपर की तारीख बदली... मप्र बोर्ड ने 24 मार्च को होने वाले 12वीं के तीन विषयों के पेपर की तारीख बदली है। ड्राइंग और डिजाइनिंग का पेपर 25 मार्च को होगा। समाजशास्त्र का 3 अप्रैल और मनोविज्ञान का 5 अप्रैल को होगा। लगातार हो रहे पेपर लीक को देखते हुए राज्य भर में केंद्र अध्यक्षों को हिदायत दी गई है कि परीक्षा केंद्रों पर इन विषयों के पेपर के पैकेट 24 मार्च को नहीं खोले जाएं।

ऐसे तो आगे भी लीक होते रहेंगे... लीक पेपर की बात न बोर्ड के अफसर मान रहे और न मंत्री। इसीलिए पेपर माफिया पर कोई कार्रवाई भी सरकार नहीं कर पा रही है। ऑनलाइन में 50 से 500 रुपए के बिकने वाले ये पेपर खरीदने वालों की संख्या इतनी है कि एक-एक पेपर से माफिया करोड़ों की कमाई कर रहा है।

मप्र में कल से फिर वेदर डिस्टर्बेंस : 23 से 25 मार्च को ग्वालियर-चंबल में बारिश; भोपाल-इंदौर में भी बदलेगा मौसम

भोपाल। मध्यप्रदेश में 23 से 25 मार्च के बीच फिर से वेदर डिस्टर्बेंस होगा और कई शहरों में बारिश होगी। इस सिस्टम का असर ग्वालियर-चंबल संभाग में ज्यादा दिखाई देगा, जबकि भोपाल और इंदौर में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। बुधवार को ज्यादातर जिलों में मौसम के साफ रहने की संभावना है।

मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि 16 मार्च से एक्टिव सिस्टम 20-21 मार्च को खत्म हो गया। इससे अधिकांश शहरों में मौसम में सुधार हो गया, लेकिन 23 से 24 मार्च के बीच बारिश का एक दौर फिर आ रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर ग्वालियर-चंबल में रहेगा।

रीवा जिले के कई इलाकों में दोपहर से मंगलवार की शाम तक रूक-रूककर बारिश होती रही। शाम को शहर में एक घंटे तक लगातार बारिश हुई। ग्रामीण इलाकोंस में आंधी व पानी के साथ बेर के आकार के ओले गिरे है। ओले गिरने से नेशनल हाईवे-39 पर कश्मीर जैसा नजारा दिखा। ओलावृष्टि के कारण खेतों में खड़ी फसलों का काफी नुकसान हुआ है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद नीमच, जिला नीमच (म.प्र.)

क्रमांक-199/153/स्वास्थ्य/2023 नीमच, दिनांक 16/03/23

।। **सार्वजनिक सूचना**।।

समस्त महिलाओं, महिला उद्यमी, स्वसायता समूहों, नायिकाओं एवं नागरिकों को सूचित किया जाता है कि, भारत सरकार द्वारा महिलाओं की स्वच्छता में भागीदारी व महिलाओं के नेतृत्व वाली स्वच्छता के पहलुओं को चिन्हित करने के लिए स्वच्छोत्सव अभियान की शुरूआत की गई। जिसमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में महिलाओं की भागीदारी को रेखांकित करने के लिये Women Icons Leading Swachhata (WINS) Awards की घोषणा भी की गई है। जिसमें श्रेष्ठ प्रतियोगिता एवं निकायों को Wins Awards से राज्य एवं नेशनल अवार्ड्स से विश्व पर्यावरण दिवस पर सम्मानित किया जायेगा। जिसमें प्रतिभागी अपनी प्रविष्टियां ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की उपचार सुविधाएं, सूचना शिक्षा व संचार सहित क्षमतावर्धन गतिविधियां, ठोस अपशिष्ट की तकनीकी एवं नवाचार, मटेरियल रिकवरी फेसिलिटी का संचालन, कचरा संग्रहण एवं परिवहन, सेप्टीज उपयोगिता मल-जल हेतु अपचार सुविधाएं, सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालयों का प्रबंधन एवं सेप्टिक टैंक क्लीनिंग सर्विसेज की थीम पर प्रविष्टियां निकाय के स्वास्थ्य शाखा में दिनांक 5 अप्रैल 2023 तक जमा कर सकेंगे। प्रतिभागी अपनी प्रविष्टियों में नाम, पता, मोबाईल नंबर अवश्य लिखें।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, नीमच
नीमच, दिनांक- 16/03/23

संपादकीय

विकृत दौर में पहुंच गई है मोबाइल संस्कृति

इक्कीसवी सदी में मोबाइल संस्कृति अब जिस विकृत दौर में पहुंच गई है, चंडीगढ़ कांड उसका एक चेतावनी भरा उदाहरण है। इससे यह भी पता चलता है कि आत्म केन्द्रित हमारी युवा पीढ़ी क्या सोचती है, संस्कारों का अर्थ उसके लिए क्या है और उसके मनोरंजन के तरीके क्या और कैसे हैं? वो शायद इस बात पर विचार के लिए भी तैयार नहीं है कि उनकी ऐसी घिनौनी हरकत से पूरा समाज किस तरह से कंपित होता है। यही नहीं मोबाइल एडिक्शन के इस महारोग में शीलता और अश्लीलता की पर्दादारी भी तकरीबन ध्वस्त हो चुकी है। जिस चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के गर्ल्स हॉस्टल में यह सब कांड हुआ, वो एक निजी विवि है और दस साल पहले ही स्थापित हुआ था और पंजाब राज्य की सीमा में आता है। इनमें ज्यादातर हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर के छात्र हैं। आरोपी छात्रा भी मूलतः हिमाचल प्रदेश के रहने वाली है और उसकी अपने राज्य के दो युवाओं से 'अश्लील दोस्ती' थी। इस पूरे मामले की जड़ में क्या है, इसके तार कहां-कहां तक फैले हैं, क्या यह पोर्न कारोबार के अंतरराष्ट्रीय जाल का हिस्सा है या फिर यह केवल व्यक्तिगत स्तर पर अश्लील मनोरंजन का शगल है, इन सब बातों का खुलासा मामले की निष्पक्ष जांच से ही संभव है। यहां बड़ा सवाल यह भी है कि संबंधित छात्रा ने ऐसा वीडियो क्यों बनाया? एक महिला के लिए महिला का स्नान करना कोई असामान्य और वीडियो रिकॉर्डिंग की बात नहीं है, जब तक उसे किसी पुरूष की दूषित निगाह से न देखा जाए। इसीलिए महिलाओं के स्नान घर और बाथरूम अलग होते हैं। बावजूद वो छात्रा इसके वीडियो बनाकर अपने ब्वॉय फ्रेंड को भेज रही थी तो इसके पीछे यकीनन कोई न कोई कारण रहा होगा। यह कोई दबाव हो सकता है या फिर किसी बड़े षड्यंत्र का हिस्सा भी हो सकता है। भारत में कई महिलाएं अब पोर्न उद्योग का हिस्सा भी जाने-अनजाने में बन रही है और पैसा भी कमा रही हैं। यह मामला भी उसी से जुड़ा हो सकता है। आरोपी छात्रा हॉस्टल की महिला वार्डन की शुरूआती पूछताछ में पहले तो सब छुपाती रही, लेकिन ज्यादा दबाव बनाने पर उसने अपना अपराध कबूल कर लिया। उसने अपने दोस्तों के नाम भी बताए। उधर शिमला में उन दो कथित दोस्तों को जब पुलिस ने गिरफ्तार किया तो उनका कहना है कि उनके फेक अकाउंट से यह सब किया गया। सच्चाई क्या है, मामले की साइबर जांच में पता चलेगा। यह कड़वी सचाई है कि आज हम उस दुनिया में जी रहे हैं, जब जीवन का कोई भी कोना रहस्य नहीं रह गया है।

संसदीय इतिहास में रुचि रखते हैं तो...

संसद संग्रहालय का दौरा अवश्य करें...

संसद संग्रहालय के लिए टिकट ऑनलाइन बुक किये जा सकते हैं। यहां यदि आप आना चाहते हैं तो पहले ही टिकट बुक करा लें क्योंकि एक दिन में निश्चित संख्या में ही लोगों को प्रवेश दिया जाता है इसीलिए टिकट के लिए दिक्कत होती है।

दिल्ली में घूमने की जगहों के बारे में योजना बना रहे हैं तो आपको बता दें कि समय निकाल कर संसद संग्रहालय अवश्य घूमने जाएं। यहां आपको एक नया ही अनुभव होगा जिसे आप सबके साथ बड़े गर्व से साझा करेंगे। हम आपको बता दें कि नई दिल्ली में संसद भवन के पास, भारतीय संसद पुस्तकालय भवन में संसद संग्रहालय है। यह एक संवादात्मक संग्रहालय है जो हमें भारत के स्वतंत्रता संग्राम की कहानी बताता है।

संसद संग्रहालय में विदेशी प्रतिनिधियों से लोकसभा अध्यक्ष को मिले उपहारों का दुर्लभ संग्रह भी है।संसद संग्रहालय के लिए टिकट ऑनलाइन बुक किये जा सकते हैं। यहां यदि आप आना चाहते हैं तो पहले ही टिकट बुक करा लें क्योंकि एक दिन में निश्चित संख्या में ही लोगों को प्रवेश दिया जाता है इसीलिए टिकट के लिए दिक्कत होती है। इसके अलावा यदि आप किसी सांसद से पत्र लिखवा कर प्रस्तुत करेंगे तब भी आप इस संग्रहालय को देख सकते हैं। संसद संग्रहालय में संसद के केंद्रीय कक्ष की एक प्रतिकृति है जहां लगी सीटों पर आप बैठ कर पंडित नेहरू का वह ऐतिहासिक भाषण सुन सकते हैं जो उन्होंने 14 अगस्त 1947 की आधी रात को तब दिया था जब भारत आजाद हुआ था। इसके अलावा विभिन्न एनिमेशनों के माध्यम से आप संसदीय इतिहास से जुड़ी रोचक जानकारियां भी यहां हासिल कर सकते हैं। यहां तकनीक के सहारे यह व्यवस्था भी है कि आप रघुपति राघव राजा राम गाते हुए महात्मा गांधी के नेतृत्व में उनके साथ चल सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि 14 अगस्त 2006 को संसद संग्रहालय का उद्घाटन भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने तत्कालीन उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत, तत्कालीन प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी और कई अन्य प्रतिष्ठित लोगों की उपस्थिति में किया था। 5 सितंबर 2006 को, संसद संग्रहालय को आम जनता के लिए खोल दिया गया था। यदि आप भी यहां आना चाह रहे हैं तो एक बार इस संग्रहालय की वेबसाइट पर जरूर विजिट करें ताकि आपको अन्य जानकारियां पता लग सकें।

साप्ताहिक राशिफल (बुधवार | 22 से 28 मार्च 2023)

मेष

निर्णय क्षमता बेहतर होगी। जो भी निर्णय करेंगे उसमें स्वयं के साथ परिवार के हित का समावेश भी होगा। मानसिक शांति रहने से आजीविका के साधनों पर ध्यान दे पाएंगे।

वृष

सप्ताह थोड़ा अस्तव्यस्त सा रह सकता है। कुछ आकस्मिक घटनाएं होंगी। ये शुभ और अशुभ दोनों हो सकती हैं। कोई भी निर्णय लेते समय परिवार के वरिष्ठों का मत अवश्य लें।

मिथुन

पराक्रम में वृद्धि होगी। परिवार और समाज के महत्वपूर्ण निर्णयों में आपका अभिमत सराहा जाएगा। अपने साहस और धैर्य से बड़ी मुश्किलों का सामना भी मजबूती से करेंगे।

कर्क

यह अंतिम सप्ताह थोड़ा विवादों में व्यतीत हो सकता है। पारिवारिक विवाद, मित्रों से विवाद, संपत्ति को लेकर किसी से विवाद, कोर्ट-कचहरी, पुलिस के मामले आ सकते हैं।

सिंह

आप भौतिक सुख-सुविधाओं में कमी अनुभव कर सकते हैं। आर्थिक संकटों का समाधान तलाशने का प्रयास करें। कर्ज मुक्ति की स्थिति बनेगी लेकिन नया कर्ज लेने से बचें।

कन्या

कार्य अपूर्ण रहने से मानसिक रूप से विचलित रहेंगे। मन-मस्तिष्क को शांत रखें, विचारों का प्रवाह कम करें। आर्थिक स्थिति में जल्द ही मजबूती आने की स्थिति बन रही है।

तुला

खट्टे-मीठे अनुभव प्राप्त होंगे। जिन लोगों को आप स्वयं से दूर कर चुके हैं आपको उनके पास जाना पड़ सकता है। इसलिए आगे से अपनी वाणी का प्रयोग संभलकर करें।

वृश्चिक

स्वास्थ्य गड़बड़ा सकता है। लापरवाही भारी पड़ सकती है, सतर्क रहें। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। आकस्मिक रूप से यात्रा करनी पड़ सकती है।

धनु

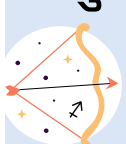

वाणी में मधुरता लाएं। आपकी कही बात किसी के हृदय को चुभ सकती है। पारिवारिक और सामाजिक स्थिति में विवादित स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

मकर

सप्ताह उन्नतिदायक रहेगा। अनेक शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा वर्ग को कार्य की अधिकता रहेगी लेकिन इसका शुभ परिणाम प्रमोशन के रूप में मिल सकता है।

कुंभ

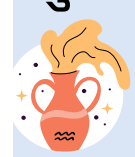

समय जैसा है, वैसा ही चलने वाला है। किसी भी कार्य में जल्दबाजी न करें। परिवार को समय दें, उनके साथ ही सामंजस्य बनाकर रखें, संकट के समय वे ही काम आएंगे।

मीन

आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। मान-सम्मान प्राप्त होगा। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। संपत्ति और भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

उग्रतारा शक्तिपीठ

बांग्लादेश में कुल पांच शक्तिपीठ हैं। सुनंदा नदी के तट पर उग्रतारा शक्तिपीठ स्थित है। मान्यता है कि इस स्थान पर माता सती की नाक गिरी थी। कहते हैं कि यहां माता सती देवी सुगंधा के रुप में शिव त्र्यम्बक के साथ वास करती हैं।

भारत में ही नहीं विदेशों में भी हैं

माता के प्रसिद्ध मंदिर...

26 सितंबर से शारदीय नवरात्रि है। नवरात्रि माता दुर्गा के नौ स्वरूपों की उपासना का खास नौ दिवसीय पर्व है। इस पर्व में लोग देवी की पूजा करते हैं। उपवास रखते हैं और मंदिरों में माथा टेकने के लिए जाते हैं। भले ही नवरात्रि में नवदुर्गा की पूजा होती है लेकिन देवी मां के कई स्वरूप है। पौराणिक कथा के मुताबिक, भगवान शिव की पहली पत्नी सती के शरीर के अंग और आभूषण धरती पर अलग अलग जगहों पर गिरे थे। यह जगहें शक्तिपीठ बन गईं, जहां माता को कई अलग नामों से पुकारा जाता है। दुनियाभर में 52 शक्तिपीठ हैं, लेकिन सभी शक्तिपीठ भारत में ही स्थित नहीं है। देवी के शक्तिपीठ विदेशों में भी हैं। ऐसे में अगर आप भारत से बाहर देवी के शक्तिपीठों के दर्शन करना चाहते हैं तो आपको पता होना चाहिए कि किन देशों में माता के शक्तिपीठ स्थिति हैं और इनके क्या नाम है।

पाकिस्तान में हिंगुला शक्तिपीठ

भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान के बलूचिस्तान में देवी मां का शक्तिपीठ है। पाकिस्तान में स्थिति माता के प्राचीन मंदिर का नाम हिंगुला शक्तिपीठ है। यहां हिंगलाज देवी की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस जगह पर माता सती का सिर गिरा था। इस प्रसिद्ध शक्तिपीठ को नानी का मंदिर या नानी का हज भी कहते हैं। इस शक्तिपीठ को चमत्कारी माना जाता है। कहा जाता है कि कई बार आतंकियों ने यहां हमले किए लेकिन शक्तिपीठ को कोई नुकसान न हुआ।

मनसा शक्तिपीठ

भारत के करीब तिब्बत में भी हिंदुओं का धार्मिक शक्तिपीठ है। यहां मानसरोवर नदी के तट पर मनसा देवी शक्तिपीठ है। माना जाता है कि यहां माता सती की दाईं हथेली गिरी थी।

श्रीलंका का शक्तिपीठ

भारत के दक्षिण में स्थित श्रीलंका में भी देवी का प्रसिद्ध इंद्राक्षी शक्तिपीठ है। जाफना नल्लूर में माता को इंद्राक्षी नाम से पुकारा जाता है। इस जगह पर माता सती की पायल गिरी थी। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक, देवराज इंद्र और भगवान राम ने इस शक्तिपीठ की पूजा की थी।

नेपाल में तीन शक्तिपीठ

आद्या शक्तिपीठ... नेपाल में कई शक्तिपीठ हैं। नेपाल में गंडक नदी के पास आद्या शक्तिपीठ स्थित है। माना जाता है कि इस स्थान पर माता सती का बायां गाल गिरा था। यहां माता देवी की गंडकी स्वरुप की पूजा होती है।

गुहेश्वरी शक्तिपीठ... नेपाल में गुहेश्वरी शक्तिपीठ है, जो पशुपतिनाथ मंदिर से कुछ दूरी पर बागमती नदी के किनारे स्थित है। मान्यता है कि यहां मां सती के दोनों जानु यानी घुटने गिरे थे। यहां शक्ति के महामाया रुप और भगवान शिव के भैरव कपाल रुप की पूजा होती है।

दंतकाली शक्तिपीठ... नेपाल के बिजयापुर गांव में दंतकाली शक्तिपीठ है। कहते हैं यहां माता सती के दांत गिरे थे।

बांग्लादेश में सती के शक्तिपीठ...

अपर्णा शक्तिपीठ
बांग्लादेश में भवानीपुर गांव में माता सती के बाएं पैर की पायल गिरी थी। इस शक्तिपीठ को अपर्णा शक्तिपीठ कहते हैं।

श्रीशैल महालक्ष्मी
सिलहट जिले में शैल नाम के स्थान देवी का श्रीशैल शक्तिपीठ है। माता सती का गला इसी स्थान पर गिरा था। यहां माता के महालक्ष्मी स्वरुप की उपासना की जाती है।

चट्टल भवानी
चिट्टागोंग जिले में सीता कुंड स्टेशन के पास चंद्रनाथ पर्वत शिखर पर छत्राल में माता सती की दायीं भुजा गिरी थी। इसे चट्टल भवानी शक्तिपीठ कहते हैं, जहां मां के भवानी स्वरुप की पूजा होती है।

यशोरेश्वरी माता
बांग्लादेश के खुलना जिले में शोरेश्वरी माता का शक्तिपीठ है। इस स्थान पर माता की बाईं हथेली गिरी थी।

जयंती शक्तिपीठ
सिलहट जिले में ही जयंतिया परगना में खासी पर्वत पर जयंती माता का शक्तिपीठ है, जहां माता सती की बाईं जांघ गिरी थी।

एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न, 200 से अधिक लोगों की हुई विभिन्न जांचें

स्थानीय समाचार पत्रों के संपादकों का मिला मार्गदर्शन, पत्रकार कार्यशाला पर बनी सहमति

· गरुड़ एक्सप्रेस डेस्क

नीमच। मंगलवार को रोटरी क्लब पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें 200 से अधिक लोगों सहित जिला प्रेस क्लब के सदस्यों ने अपनी जांच कराई। शिविर का शुभारंभ प्रातः 9 बजे जिला प्रेस क्लब संरक्षक सुनील शर्मा, चंद्रेश एरन तथा अनंत पटवा के साथ गरिमा चौरसिया व कैलाश मंत्री की उपस्थिति मे हुआ। सभी ने विधिवत दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल व जिला प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 200 से ज्यादा मरीजों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण हुआ। साथ ही उन्हें निशुल्क दवाइयां वितरित की। शिविर में जनरल, फिजिशियन, डायबिटीज, थायराइड तथा हड्डी रोग विशेषज्ञ सहित अन्य डॉक्टरों ने सेवाएं दी।

कार्यक्रम के दौरान जिले में पत्रकारिता की नींव स्थापित करने वाले स्थानीय समाचार पत्रों के संपादकों ने मंच से अपने-अपने अनुभव साझा किए। वरिष्ठ पत्रकार व जिला प्रेस क्लब के सभी संरक्षकों ने कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने मौजूदा पत्रकारिता की जिम्मेदारी संभालने वाले जिला प्रेस क्लब के सदस्यों को अपना मार्गदर्शन दिया। सर्वप्रथम अमृत कुंभ समाचार प्रमुख व जिला प्रेस क्लब के संरक्षक श्री संपतलाल पटवा ने अपना उद्बोधन दिया। अपने उद्बोधन में श्री पटवा ने पूरानी पत्रकारिता के अनुभव सुनाते हुए वर्तमान पत्रकारिता को परिभाषित करते हुए मार्गदर्शन दिया। अनुभव साझा करने की इस कड़ी में नई विधा के प्रधान संपादक श्री प्रकाश मानव ने अगला उद्बोधन दिया। उन्होंने मिलन समारोह व स्वास्थ्य शिविर की सराहना की। वरिष्ठ पत्रकार तथा मालव दर्शन समाचार पत्र के संपादक श्री प्रेमप्रकाश जैन ने पत्रकारों को संबोधित किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि वर्तमान परिदृश्य में पत्रकारों के लिए कार्यशाला का आयोजन करना बेहद जरूरी है। इसके लिए उन्होंने जिला प्रेस क्लब के सभी जिम्मेदार सदस्यों को सुझाव दिया कि इस पर गंभीरता से विचार कर मूर्तरूप दिया जाए। श्री प्रेमप्रकाश जैन के इस सुझाव की सभी उपस्थित पत्रकारों ने सराहना की। तो अगली कड़ी में दशपुर एक्सप्रेस के संपादक श्री आरवी गोयल ने भी पत्रकारों को मार्गदर्शन देते हुए कार्यशाला की रूपरेखा तय होने पर कहा कि कार्यशाला में उनका पूर्ण सहयोग व मार्गदर्शन रहेगा। इसके अलावा उन्होंने पत्रकारिता में ग्रामीण पत्रकारों की मुख्य भूमिका बताई। खुशी जाहिर करते हुए बताया कि पत्रकारों के हितों में ऐसे कार्यक्रम करना आवश्यक है। अगले में उद्बोधन नई विधा के संपादक राजेश मानव ने कार्यशाला के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि नगर व ग्रामीण पत्रकारिता करने वाले साथियों को उनकी खबरों का प्रतिफल नहीं मिल पाता है। साथ उन्होंने श्री संपतलाल पटवा की लिफाफा पद्धति की बात पर चिंतन करने की बात कही। इसी कड़ी में बाबजी टावर के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मुस्तफा हुसैन ने कार्यक्रम की सराहना की। साथ ही जिला प्रेस क्लब व ज्ञानोदय मल्टीस्पेश्यलिटी हॉस्पिटल का सफल आयोजन की सराहना की। मालवा टुडे के अर्पित शर्मा ने पत्रकारों को संबोधित किया। अंत में ज्ञानोदय ग्रुप डायरेक्टर माधुरी चौरसिया ने ज्ञानोदय मल्टीस्पेश्यलिटी हॉस्पिटल की जरूरत बताते हुए कहा कि 3 वर्षों पूर्व आए विचार की देन यह हॉस्पिटल है। जो क्षेत्र के मरीजों को सभी जांच व इलाज की आधुनिकतम सेवा देकर मानवीय फर्ज निर्वाह करेगा। इस चिकित्सालय का यह पहला निशुल्क स्वास्थ्य शिविर है जो जिला प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम संचालन अपना नीमच के संपादक संजय यादव ने किया। आभार जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष राहुल जैन ने माना।

निमाड़ में नशे की खेती, मालवा कनेक्शन

खंडवा पुलिस ने अफीम तस्कर, पार्टनर किसानों को दबोचा, खुद काटी आधा बीघा की फसल

· गरुड़ एक्सप्रेस डेस्क

खंडवा। देश में अफीम की खेती के लिए एकमात्र राजस्थान और मध्यप्रदेश का मालवा क्षेत्र है। लेकिन अफीम के तस्करों ने नशे की खेती का जाल निमाड़ के आदिवासी इलाकों तक फैला रखा है। खंडवा पुलिस ने नीमच के दो तस्कर और खालवा निवासी उनके दो पार्टनर किसानों को दबोच लिया है। इनके कब्जे से आधा बीघा की अफीम फसल, डोडाचूरा और 250 ग्राम अफीम लिक्विड जब्ती में लिया है।

थाना खालवा टीआई गणपत कनेल ने बताया कि, शनिवार को ही पुलिस ने नशे के खिलाफ इतनी बड़ी कार्रवाई की है। आरोपी वकील पिता दीपा चावडा जाति बंजारा (40) निवासी रंगसपुरिया थाना कुकडेश्वर जिला नीमच तथा इसी क्षेत्र के आमद निवासी बंसतीलाल पिता हेमा डायमा दोनों तस्कर है। वहीं विश्राम पिता मोतीलाल कोरकू तथा रमेश पिता शंकरलाल कोरकू निवासी गुलाई थाना खालवा के किसान है। चारों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। नीमच के तस्करों के बताये अनुसार विश्राम कोरकू के खेत में उगाये हुए अफीम के पौधे उखड़वाये। जिसे तुलवाने पर एक क्विंटल पच्चीस किलो एवं अफीम के डोडे 45 किलो ग्राम तथा विश्राम कोरकू के खेत से दो क्विंटल अफीम के पौधे उखड़वा कर जप्त किये गये।

नीमच में नाले में मिली नाबालिग किशोरी की लाश, संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, जांच में जुटी पुलिस

· गरुड़ एक्सप्रेस डेस्क

नीमच। कुकड़ेश्वर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सुवासरा बुजुर्ग में बीती 14 मार्च की शाम लापता हुई 14 वर्षीय नाबालिग बालिका रीना ऊर्फ खुशबु पिता भेरू भील की लाश दो दिन बाद गांव के ही पास बने नाले में मिली। सूचना पर कुकड़ेश्वर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा तैयार कर शव को पीएम के लिए मनासा के शासकीय चिकित्सालय पहुंचाया।

जांचकर्ता आर.सी लक्षकार ने बताया कि, परिजनों ने 14 मार्च की शाम कुकड़ेश्वर थाने पर नाबालिक बालिका की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। मामला दर्ज कर बालिका की तलाश शुरू कर दी गई, फिर 16 मार्च की शाम गांव के ही पास बने नाले में बालिका का शव मिला। जिसके बाद कुकड़ेश्वर पुलिस मौके पर पहुंची। फिर पंचनामा तैयार कर शव को पीएम के लिए पहले मनासा और फिर नीमच जिला अस्पताल लाया गया। जहां पीएम कर शव परिजनों को सौंपा गया। अब पुलिस मार्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

बुजुर्ग पर हमला करने वाले तेंदुए की मौत

वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों के साथ चलाया था रेस्क्यू अभियान; बुजुर्ग का उपचार जारी

· गरुड़ एक्सप्रेस डेस्क

जावद। जावद में बुजुर्ग पर हमला करने वाले तेंदुए की मौत हो गई है। दरअसल, सिंगोली के एक गांव में तेंदुए ने हमला करके बुजुर्ग को घायल कर दिया था। इसके बाद वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर तेंदुआ को पकड़ लिया था। लेकिन, कुछ ही देर बाद तेंदुआ की मौत हो गई। जिसकी अधिकारियों ने भी पुष्टि करते हुए बताया कि सोमवार सुबह एक बुजुर्ग पर हमला करने के बाद तेंदुआ को पकड़ा गया था, और उसकी अचानक मौत हो गई। मौत का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। तेंदुए का पीएम होने के बाद ही सही जानकारी सामने आ पाएगी।

यह है मामला

जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह ग्राम बड़ी घाटी अंबा महादेव मंदिर परिसर पर बने में कुंड में नहाने गए जगदीशचंद्र धाकड़ पर अचानक एक तेंदुए ने हमला कर दिया। जिससे जगदीशचंद्र बुरी तरह से घायल हो गए। घायल युवक को प्राथमिक उपस्वास्थ्य केंद्र जाट पर लाया

गया, जहां प्राथमिक उपचार के पश्चात उसे जिला चिकित्सालय नीमच रैफर किया गया। व्यक्ति की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों के साथ की सर्चिंग

घटना की जानकारी मिलने के बाद रेंजर तिलक राज अपनी टीम के साथ पहुंचे, और ग्रामीणों के साथ जंगल में सर्चिंग शुरू की। जहां पर जंगल में तेंदुआ देखा गया। काफी मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम ने 2 घंटे में ही तेंदुए को पिंजरे में कैद कर लिया। जिसे अब गांधी सागर जंगल में छोड़े जाने की बात कही थी।

रिया
फर्नीचर हाउस

फर्नीचर ही फर्नीचर
डबल बेड, सोफा सेट, अलमारी, डायनिंग टेबल, ड्रेसिंग टेबल, सेन्टर टेबल, कम्प्यूटर टेबल एवं सभी प्रकार के फर्नीचर के विक्रेता एवं निर्माता।

गजेंद्र शर्मा
भूपेंद्र शर्मा
9827292030

हेड ऑफिस : रोडवेज बस स्टैण्ड, नीमच (म.प्र.)
ब्रांच ऑफिस : कल्याणेश्वर मंदिर के सामने सिटी रोड, नीमच

स्वामी प्रकाशक राजेश लक्षकार के लिए मुद्रक प्रेमप्रकाश जैन के द्वारा नाकोड़ा ग्राफिक्स सिस्टम एण्ड प्रिंटर्स, 129, विकास नगर, नीमच (म.प्र.) से मुद्रित कर 51 पीपल चौक जीरन, जिला-नीमच से प्रकाशित। **सम्पादक - राजेश लक्षकार***